>

Title: Need to open a Sports Training Centre in Rohtak, Haryana under Special Promotion Scheme of Sports Authority of India.

श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा (रोहतक): खेल आज मानव व्यक्तित्व के चौमुखी विकास का अभिन्न अंग है और खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने का राष्ट्रीय गौरव और मनोबल पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। इस बदलते राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय परिवेश में प्रतिभा की बढ़ती हुई मांग की पूर्ति के लिए सरकार को खेलों में उत्कृष्ठता लाने के लिए हर संभव प्रयत्न करना मेरी समझ में सरकार का दायित्व है।

इसी विषय में मैं यह बताना चाहूँगा कि हरियाणा सरकार ने विगत वर्षो में खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए यथासंभव प्रयास किये हैं और खिलाड़ियों के कल्याण तथा विकास पर केन्द्रित नीतियाँ लागू की हैं। जिसका नतीजा हमने राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में देखा है। इन खेलों में हरियाणा के खिलाड़ियों का अभूतपूर्व योगदान रहा है जिसकी वजह से आज भारत खेल प्रतिस्पर्धाओं में चीन और कोरिया जैसे देशों के समक्ष खड़ा है। कॉमनवेल्थ गेम्स 2010 के दौरान 55 फीसदी स्वर्ण पदक और हमारे देश को प्राप्त कुल पदकों में 35 फीसदी पदक इन्हीं खिलाड़ियों ने जीते। जबकि एशियन गेम्स के दौरान भी भारम को मिले कुल स्वर्ण पदकों में से 36 फीसदी स्वर्ण पदक और कुल प्राप्त पदकों में 33 फीसदी पदक हरियाणा राज्य के खिलाड़ियों ने ही जीते। हमारे राज्य में यह प्राकृतिक प्रतिभा है और यह जज्बा मैंने बच्चों तक में देखा है।

लेकिन 121 करोड़ की जनसंख्या होते हुए भी आज हमारा देश प्रति व्यक्ति ओलम्पिक पदक दर में सबसे नीचे है और यह घोर मंथन का विषय है।

मैं माननीय खेल एवं युवा मामलों के मंत्री से अपील करता हूँ कि जल्द से जल्द मेहम, रोहतक में राष्ट्रीय खेल प्राधिकरण की खेल प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत चालित बॉक्सिंग, कुश्ती और बॉस्केटबाल का विशिष्ट ट्रेनिंग सेंटर स्वीकृत करें जिसका सर्वे और निरीक्षण का काम प्राधिकरण के अधिकारियों द्वारा पूरा किया जा चुका है।